राज्य आनंद संस्थान का आयोजन : पर्यारण संरक्षण पर परिचर्चा, बांटे पौधे

मुस्कुराहट के लिए 'वन' भी चाहिए एवन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उज्जैन. विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राज्य आनंद संस्थान की टीम द्वारा रूपांतरण सामाजिक जनकल्याण समिति दशहरा मैदान पर कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में शहर के कई प्रबुद्धजन शामिल हुए और पर्यावरण संरक्षण पर परिचर्चा की। इस दौरान पौधे भी बांटे गए।

कार्यक्रम में शैलेंद्र व्यास ने कहा कि मानव जीवन की मुस्कुराहट के लिए "वन" भी एवन चाहिए। ग्रामीण क्षेत्रों में हवा और शहरी क्षेत्रों में दवा का प्रभाव है। एक पेड़ से 10 लाख माचिस की तिलियां बनती है और एक तिली से दस लाख पेड़ों का जीवन समाप्त हो जाता है। नगर निगम अपर आयुक्त आदित्य नागर ने कहा कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के कारण ही कोरोना की दूसरी लहर में हमने कई अपनों को खोया है। पर्यावरण के रूपांतरण से ही मन का आनंद है। समाजसेवी राजीव पाहवा ने हरे भरे पेड़ों की कटाई को पर्यावरण का सबसे बड़ा नुकसान बताया। आयोजन संयोजक डॉ प्रवीण जोशी ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि एक नन्हें पौधे को पूरी जिम्मेदारी से पेड़ बनाया जाए। डॉ अनामिका सोनी ने पर्यावरण जागरुकता पर प्रेरक गीत प्रस्तुत किया। पर्यावरण के प्रति अपने अनुभव, विचार वेधशाला अधीक्षक राजेंद्र गुप्त, प्रो. सुमन जैन, वर्तिका जोशी मनीषा मिश्रा, दुर्गाशंकर सूर्यवंशी, अनोखीलाल शर्मा, जय श्री शर्मा, दीपक सोनी, भरत कुमावत, राजेश शर्मा, संतोष शर्मा, सीपी जोशी, विकास अरोण्या, रंजना मालवीय, जितेंद्र मालवीय और अंकित शर्मा ने साझा किया। भगवान सिंह आंजना तुलसी दास द्वितीय ने मीठा नीम एवं तुलसी के पौधों से अतिथि स्वागत किया। आभार आनंद विभाग जिला समन्वयक डॉ. प्रवीण जोशी ने माना।

गोयल को 'पर्यावरण रत्न अलंकरण'

उज्जैन. शुभ संदेश सामाजिक कल्याण समिति ने विश्व पर्यावरण महोत्सव पर कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। विशेष अतिथि पूर्व महापौर मीना जोनवाल एवं मुख्य वक्ता डॉ. आरसी गुप्ता थे। अध्यक्षता डॉ. सतिंदर कौर सलूजा ने की।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. सलूजा ने कहा कि जल आभा है, चमक है, अमृत है। जीवन की संजीवनी, जीवन औषधि है जल...। अतिथि स्वागत, समिति की अध्यक्ष प्रीति दिलीप गोयल, संजय शिंदे, अंजू चतरथ, स्वल्पा पेंडेकर, वीना मित्तल, रमा अग्रवाल, आशा गुप्ता, अंजू शर्मा ने किया। डॉ. पुष्पा चौरसिया ने अतिथि परिचय दिया। पर्यावरण गीत मंगला पंड्या ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर निनाद नृत्य अकादमी एवं शुभ संदेश सामाजिक कल्याण समिति ने पर्यावरण पर आधारित नृत्य नाटिका का प्रदर्शन किया। दोनों नाटिकाओं के मुख्य सूत्रधार पलक पटवर्द्धन व गजेंद्र नागर थे। कार्यक्रम में पर्यावरण पर आधारित प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। अतिथियों ने जूनियर/सीनियर विजेता आर्यव चोरसिया, प्राची अग्रवाल, रिमिशा गंगवाल, संप्रदा सिंह जाट, ईरा नागर, याशिका जेठवानी, आध्या द्विवेदी, पूर्वी अग्रवाल, रिदिमा जैन को सम्मानित किया। आभार संस्था सचिव गोविंद आहूजा ने माना। इस दौरान डॉ. सतिंदर कौर सलूजा ने प्रीति गोयल को 'पर्यावरण रत्न अलंकरण' से सम्मानित किया।